नीलकंठ पे बैठे भोले | Anup Saawariya

नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले .....

एक हाथ त्रिशूल विराजे दूजे डमरू बाजे
तन बागम्बरी छाला पहनी माथे चंदा साजे
नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले .....

जय शिव शंकर जय गंगाधर महादेव कैलाशी
काल भी तेरे डर से कांपे अजर अमर अविनाशी
नीलकंठ पे बैठे भोले भांग धतूरा खाये रे
काले काले नाग गले में लहर लहर लहराए रे
नीलकंठ पे बैठे भोले .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a4%95%e0%a4%82%e0%a4%a0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-anup-saawariya/